तृतीय सेमेस्टर				
क्र0 सं0	कोर्स का नाम	कोर्स कोड	अंक	श्रेयांक
3	तालों का अध्ययन III	एम0पी0ए0एम0टी0 - 602	100	2
	इकाई 1 - उत्तर भारत व दक्षिण भारत के अवनद्ध वाद्य एवं उनकी उपयोगिता।			
	इकाई 2 - पाश्चात्य संगीत के सन्दर्भ में ताल ; पाश्चात्य संगीत के अवनद्ध वाद्य एवं उनकी उपयोगिता।			
	इकाई 3 - तिपल्ली, चौपल्ली, फरमाइशी, कमाली, नौहक्का, तिहाई (दमदार, बेदम, चक्करदार) की व्याख्या उदाहरण सहित।			
	इकाई 4 - पाठ्यक्रम की तालों का परिचय व तालों के ठेकों को दुगुन, तिगुन व चौगुन की लयकारी सहित लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 5 - पाठ्यक्रम की तालों के ठेकों को आड़, कुआड़, बिआड़, 3/4, 4/3 व 4/5 की लयकारी सहित लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 6 - तबले की रचनाओं (पाठ्यक्रमानुसार) को लिपिबद्ध करना।			
नोट - विद्यार्थी तृतीय सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के अन्तर्गत रखे गए तालों के अनुरूप अध्ययन करें।				

तृतीय सेमेस्टर

विस्तृत ताल – पंचमसवारी व झपताल **अविस्तृत ताल - दीपचन्दी, तीवरा व लक्ष्मी ताल**

सहायक/उपयोगी पाठ्य सामग्री -

1.वसन्त, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय, हाथरस, उ0 प्र0 ।

2. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव, ताल परिचय (सभी भाग),संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद।

3. गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव, ताल प्रभाकर प्रश्नोत्तरी, संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद ।

4. श्री मधुकर गणेश गोडबोले,तबला शास्त्र , अशोक प्रकाशन मंदिर, इलाहाबाद ।

5. डॉ0 आबान ई0 मिस्त्री , तबले की बन्दिशे, संगीत सदन प्रकाशन, इलाहाबाद ।

6. डॉ0 आबान ई0 मिस्त्री , पखावज और तबला के घराने एवं परम्पराएं, स्वर साधना समिति, एनेक्स जम्बुलबाडी, मुम्बई।

7. डॉ0 अरूण कुमार सेन,भारतीय तालों का शास्त्री य विवेचन, हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल ।